गंगा मैया की आरती

ओम जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।

जो नर तुमको ध्याता, मनवांछित फल पाता॥

ओम जय गंगे माता…

चन्द्र सी ज्योति तुम्हारी, जल निर्मल आता।

शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता॥

ओम जय गंगे माता…

पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता।

कृपा दृष्टि हो तुम्हारी, त्रिभुवन सुख॥

ओम जय गंगे माता…

एक बार जो प्राणी, शरण तेरी आता।

यम की त्रास मिटाकर, परमगति पाता॥

ओम जय गंगे माता…

आरती मातु तुम्हारी, जो नर नित गाता।

सेवक वही सजह में, मुक्ति को पाता॥

ओम जय गंगे माता…

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता

हिन्दीपथ.कॉम